ऋण का 25.5% बनता है । राज्य वित्तीय निगम मुख्य राज्य स्तरीय संस्थापन हैं जो लघु तथा कुटीर उद्योगों को सहायता मुहैया करते है । वर्ष 1993–94 के दौरान, इन निगमों द्वारा लघु तथा कुटीर क्षेत्र को 1525 करोड़ रु० मंजूर किये गये थे ।

(ङ) बैंकों तथा वित्तीय संस्थानों द्वारा ऋण पर प्रभारित की जाने वाली ब्याज की दरें भारतीय रिजर्व बैंक की दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रशासित की जाती हैं । कर्ज लेने वालों पर लागू ब्याज की दर ऋण की मात्रा के अनुसार अलग-अलग होती है । इस समय तीन स्लैब हैं। 2 लाख तक के ऋण पर ब्याज दर 2 लाख से अधिक कर्ज की राशि पर प्रभारित किये जाने वाले ब्याज दर से कम होती हैं । 18 अक्तूबर, 1994 से भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा यथा निर्धारित ब्याज की दरों के विवरण इस प्रकार हैं :—

	ब्याज दर (वार्षिक%) कार्यशील पूंजी के लिए सावधिक कर्ज पर	
1. 25,000 रु० तक	12.0	12.0
2. 25,000 रु० से अधिक और 2 लाख रु० तक	13.5	13.5
3. 2 लाख रु०से अधिक	प्राथमिक ऋण-दाताओं द्वारा निश्चित किया जाता है ।	

अनियत श्रमिकों को नियमित करना

1563. श्री आस मोहम्मद : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में स्थायी किस्म के कार्यों में अनियत श्रमिकों को नियुक्त न किए जाने के उसके निर्देश के बावजूद कुछ उपक्रमों ने स्थायी किस्म के कार्यों में अनियत श्रमिकों को नियुक्त किया है ;

(ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षों में इस प्रकार से नियुक्त किए गए व्यक्तियों की उपक्रम वार संख्या कितनी-कितनी है ; और

(ग) इस प्रकार की नियुक्तियों को किए जाने के क्या कारण हैं ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों में अनियत कर्मचारियों की नियुक्तियाँ उनके अपने क्षेत्राधिकार के प्रबन्ध द्वारा की जाती हैं सरकार के पास ऐसी नियुक्तियों की कोई सूचना नहीं है ।

(ख) और (ग) प्रश्न ही नहीं उठता ।

Industries in Punjab

1564. SHRI IQBAL SINGH: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) what was the total number of small scale and medium scale industries in the country, particularly in the State of Punjab as on 31st December, 1994;

(b) what is the number of industries declared sick by Government of Punjab;

(c) what steps Government propose to revive these sick industries in the State of Punjab; and

(d) what is the total amount sanctioned as central loan assistance to the Government of Punjab?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI M. ARUNACHALAM): (a) There is no unified source of collection of data for the number of industries in the small scale and medium scale sector. According to the Annual Survey of Industries 1990-91 (latest available information from the Central Statistical Organisation), the number of